

চাকা,  
র।  
ও পাতা।  
  
চাকা।  
তিষ্ঠান  
  
পৃথিবীর  
সর্বত্র  
  
বদশাহী  
(মেরিকা)  
ক (প্রফেসর)  
লা ৮—  
ক।  
খাতবিশেষ।  
ষ, প্রমেহ ও  
আনন্দদায়ক  
  
গুদ্ধীরোগের  
।  
জ্বাদ!  
জ্বাদ স্থানিক  
হামিও মহা-  
সংখ্যক জটিল  
। আসিতে-  
কাতার দরে  
।  
অংশ  
মণি

চাকা ভাবের জন্য কঠিন।  
বরগু, এঙ্গেট, বলু ইত্যাদি উচ্চিত মূলো বিক্রয় করিব।  
সবুর দরের জন্য প্রতি লিখন।  
ম্যানেজিং ডিভেল্পার :— স্টোরিহাইবেঙ্গেন চট্টগ্রামাধ্যায়,  
২৩০ দশ্বাহাটী স্ট্রিট, কলিকাতা।

## চোহার কঠিন

বরগু, এঙ্গেট, করগুটি, বলু ইত্যাদি উচ্চিত মূলো বিক্রয় করিব।  
সবুর দরের জন্য প্রতি লিখন।

# স্টোরিহাইবেঙ্গেন

## সাম্প্রাহিক সংবাদ পত্র।

১৯শ বর্ষ } রম্যনাথগঞ্জ—মুশিদাবাদ ৩০শে অগ্রহায়ণ মুধ্যবার ১৩৪৯ ইংরাজী 16th Dec. 1942 { ১৮শ সংখ্যা।

### এই জনগণ জাগরণকালে স্বী-পুরুষের মহাবন্ধু হিলিংবাগ

সেবনে মেহরোগ চির আরোগ্য ও নববৌবন পুনঃপ্রতিষ্ঠিত হইবে  
১ মাত্রায় পরিচয় পাইবেন, সপ্তাহে আরোগ্য হইবে।

**৮৫** বৎসর ধরিয়া রোগী ও চিকিৎসক উভয় দলের নিত্য ব্যব-  
হার্য। আই-এম-এস, এম-ডি-এফ-আর-সি-এস, এন-আর-  
সি-পি, এম-আর-সি-এস, এল-আর-সি-পি, এল-আর সি-এস প্রভৃতি উপাধি-  
ধারী ডাক্তারগণ কর্তৃক অতি উচ্চ প্রশংসিত ও পৃষ্ঠপোষিত। প্রশংসাকারী  
ছই একজন ডাক্তারের নাম দেখুন :—

কর্ণেল কে, পি, গুপ্ত আই-এম-এস, এম-ডি, এফ আর-সি-এস ইত্যাদি;  
লেঃ কর্ণেল এন, পি, সিংহ, আই-এম-এস এম-আর-সি-পি, এম-আর-সি-এস,  
সার্জন মেজের বি, কে, বস্তু, আই-এম-এস, এম-ডি-সি এম, ইত্যাদি।

মূল্য বড় শিলি ৩, মাসারি ২০, ছোট ১৫০ ডাক মাশুলাদি স্বতন্ত্র।  
বিশেষ বিবরণ সম্বলিত তালিকা-পৃষ্ঠক লিখিলে বিনামূল্যে পাঠাই।



স্বর্গঘটিত সালসা—স্নায়বিক দৌর্বল্যের মহোষধ। পারদ  
গরমী এবং যাবতৌয় রক্তদুষ্টিতে অব্যর্থ।

মূল্য দ্রুতি শিলি (১৬ দিনের উপরে গো) ২০; ৩টা একত্রে ৩০  
ডাক মাশুলাদি স্বতন্ত্র।

আর, লগিন এণ্ড কোং—ম্যানুঃ—কেমিস্টস।

১৪৮, বহুবাজ, র স্ট্রিট, কলিকাতা।

টেলিগ্রাম—“হিলিং” কলিকাতা।

## চট্টগ্রাম সংবাদের শিয়ালবলী

জঙ্গপুর সংবাদের সততক বার্ষিক মূলা ২০ হাতে ১০ টাকা।  
বনগাম মূলা ১০ টাকা। বাংসরিক মূলা অঞ্চিত দেয়।  
জঙ্গপুর সংবাদে বিজ্ঞাপনের হাব প্রতি সঙ্গীচেহের জন্য প্রতি  
লাইন ১০ টাকা, এক মাসের জন্য প্রতি লাইন প্রতিবার ১০  
আনা, তিন মাসের জন্য প্রতি লাইন প্রতিবার ১০ আনা, বড়  
জামী বিজ্ঞাপনের বিশেষ দর প্রতি তিথিয়া দা স্বয়ং আসিয়া করিতে  
হয়। কীবিন কুমার পাঞ্জি, রমনাথগঞ্জ, মুরিদাবাদ।

## গৃহ-রক্ষা

গৃহ-রক্ষার জন্যই জীবন-বীমা। গৃহ জাতীয় জীবনের প্রকৃষ্টতম প্রয়োজন,  
পৃথিবীর আশা-ভরসার স্থল। গৃহকে বাঁচাইয়া রাখিবার কাজে ধাহার সার্থকতা  
আছে, তাহার প্রভাবশ অপরিসীম। যিনি পরিবার প্রতিপালন করেন, তিনিই  
ত' সংসারের প্রধান আশ্রয়। তাঁহার চারিদিকে গৃহ নীড় রচিত হয়। তাঁহার  
অভাবে গৃহ-সংস্কার বিধ্বস্ত ও বিক্ষিপ্ত হইয়া পড়ে—পারিবারিক বন্ধনও শিথিল  
হইয়া আসে। কিন্তু সেই প্রতিপালকের স্থানে জীবন-বীমা সংসার প্রতিপালনের  
চুক্ত ভার গ্রহণ করে। সংসার ধ্বংসের হাত হইতে রক্ষা পায়—জাতীয় জীবনের  
শক্তি অব্যাহত থাকে।

আপনার প্রয়োজন অনুযায়ী সম্পূর্ণ নির্ভরযোগ্য বীমাপত্র দিতে পারে

## আর্থিক পরিচয়

নৃতন বীমা (১৯৪১)	...	...	প্রায় ৩ কোটি টাকা।
মোট চলুতি বীমা	...	১৮ কোটি ৯৯ লক্ষ টাকার উপর	
বীমা তহবিল	...	৮ "	২৩ "
মোট সম্পত্তি	...	৮ "	৬৩ "
দাবী শোধ (১৯০৭-৪১)	...	২ "	৫০ "
প্রিমিয়াম আয়	...	৩০	৩০ "
			প্রায় ১ কোটি টাকা।

হিন্দুস্থান কো-অপারেটিভ, ইসিওরেনে  
সোসাইটি, লিমিটেড,

হেড অফিস

ব্রাষ্টও

বোম্বাই, মাদ্রাজ, দিল্লী, লাহোর, লক্ষ্মী,

নাগপুর, পাটনা ও চাকা।

হিন্দুস্থান বিল্ডিংস,

কলিকাতা।

এজেন্সী—ভারতের সর্বত্র ও ভারতের বাহিরে।

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 | 601 | 6

সর্বেভো দেবেভো নমঃ ।



## জঙ্গিপুর সংবাদ ।

৩০শে অগ্রহায়ণ বুধবার, সন ১৯৪৩ মাস।

### ম্যাট্রিকুলেশন বৃত্তি

১৯৪২ সালের ম্যাট্রিকুলেশন পরীক্ষায় কান্দী রাজ উচ্চ ইংরাজী বিদ্যালয় হইতে শ্রীমান् ধনঞ্জয় নশীপুরী সাধারণ প্রতিযোগিতায় সপ্তম স্থান অধিকার করিয়া মাসিক ১৬ ঘোল টাকা হিসাবে বৃত্তি লাভ করিয়াছে।

জঙ্গিপুর উচ্চ ইংরাজী বিদ্যালয় হইতে শ্রীমান् অজিত কুমার ভট্টাচার্য ও শ্রীমান् হুমকুমার সাহাল এত্যেকে মাসিক ১০ দশ টাকা হিসাবে বৃত্তি লাভ করিয়াছে। ধান্তাদের শিক্ষা-নৈপুণ্যে ছাত্রগণ এই প্রকার সাফল্য লাভ করিয়াছে তাহাদিগকে অভিনন্দন ও সফলকাম ছাত্রগণকে শুভেচ্ছা জ্ঞাপন করিতেছি।

### মধ্য ইংরাজী বৃত্তি পরীক্ষার ফল

মুশিমাবাদ জেলার বিভিন্ন মধ্য ইংরাজী বিদ্যালয় হইতে নিম্নলিখিত ছাত্রগণ ১৯৪২ সালের বৃত্তি পরীক্ষায় কৃতকার্য হইয়া চারি বৎসরের জন্য মাসিক ৪ চারি টাকা হিসাবে বৃত্তি লাভ করিয়াছে।

- ১। অসিতকুমার সাহা—রঘুনাথগঞ্জ এম, ই, স্কুল
  - ২। খোসদিল সেখ—মারগাম এম, ই, স্কুল
  - ৩। হবিবুল্লা সেখ—ভগবানগোলা এম, ই, স্কুল
  - ৪। পীযুষকান্তি ভট্টাচার্য—রঘুনাথগঞ্জ এম, ই, স্কুল
  - ৫। আবদুল হালিম—পাঁচগ্রাম এম, ই, স্কুল
- (মুসলমান ছাত্রদের বিশেষ বৃত্তি)

মহানন্দ আবদুল ফারক—বেলডাঙ্গা আইডিয়াল  
এম, ই, স্কুল

### বন্দু সমস্যা

বন্দু সমস্যার সমাধান করার জন্য “ষ্ট্যাণ্ডার্ড ক্লথ” অর্থাৎ গরীবের জন্য চলন সহি কাপড় বাহির হবার কথা অনেক দিন হতে শোনা যাচ্ছে। এবার নাকি সেই কাপড় বাহির হইবে বলিয়া একটু বেশী রকমের নিশ্চয়তা পাওয়া গেছে। এই কাপড় কোন স্থত্রে নিশ্চিত হইয়া কোন স্থত্রে সাধা-রণের হ্যাণ্ডেল হইবে তাহা এখনও জানা যায় নাই। তবে বাজারে এলে দেখা যাবে। শীতকালে দেখা দিলে ভাল হতো।

## নৌলামের ইত্তাহার

### চৌকী জঙ্গিপুর প্রথম মুন্সেফী আদালত

নৌলামের দিন ১১ই জানুয়ারী ১৯৪৩

১৯৪০ সালের ডিক্রীজারী

৮০৭ খাঁ ডিঃ দেবেন্দ্রনাথ সিংহ দিন দেং মহেন্দ্রনারায়ণ  
সিংহ দিন দাবি ১১৫/০ থানা স্থতী মৌজে দক্ষাহাট ২৭  
শতকের কাত ১০/৮৫০ আঃ ১০ খঃ ১০৫

৮০৮ খাঁ ডিঃ ঐ দেং ঐ দাবি ১৩৩ মৌজাদিঁ় ক্রি ২৭  
শতকের কাত ১০/৮৫০ আঃ ১০ খঃ ১০৫

১৯৪২ সালের ডিক্রীজারী

৭৭৯ খাঁ ডিঃ মহারাজ কুমার সিতাংশুকান্ত আচার্য  
দেং মুনিবদ্দিন বিশ্বাস দিন দাবি ১৫৬/০ থানা স্থতী  
মৌজে ঝুরপুর ১৮ শতকের কাত ২, আঃ ১২ খঃ ৬০০

৮৮৭ খাঁ ডিঃ ঐ দেং খাবিল্দিন বিশ্বাস দিন দাবি  
২২১/৩ থানা ঐ মৌজে নিজ ঝুরপুর ১০০ শতকের কাত  
৩৯ আঃ ১৫ খঃ ৪৫০।৪৫১

৯০৯ খাঁ ডিঃ সেবাইত রাজা ভূপেন্দ্রনারায়ণ সিংহ  
বাহাদুর দেং শিবশঙ্কর শৰ্মা মহান্ত দাবি ১১০ থানা স্থতী  
মৌজে বাহাদুরপুর ৬-৪০ শতকের সেস ১/০ আঃ ৫ খঃ  
২ ও অধিনস্থ খঃ ৩

৯০৩ খাঁ ডিঃ শচৈন্দ্রনাথ রায় দিন দেং ছলপুর গোৱামী  
দাবি ৮৩ থানা স্থতী মৌজে রাতুরী ১০২১ শতকের সেস  
১/০ আঃ ৫

৯১০ খাঁ ডিঃ হৈরেন্দ্রনাথ রায় দিন দেং রমেশচন্দ্র দাস  
দাবি ৩০০/০ থানা স্থতী মৌজে চাঁদপুর ২-২১ শতকের  
কাত ২৫/১ আঃ ১০ খঃ ৩৯

৯১৪ খাঁ ডিঃ এ দেং ঐ দাবি ২১৬/৬ মৌজাদি ক্রি  
২০৩৯ শতকের কাত ৩। আঃ ১০ খঃ ৪৩

৯১৩ খাঁ ডিঃ কুমার রামকিশোর সিংহ দিন দেং বক্ষি  
বিহারী সাহা নাবানক পক্ষে অলি মাতো সরসৌবালা বশ্বণ্যা  
দিন দাবি ৬৩/৯ থানা স্থতী মৌজে শিধুরী ২-৬৫ শত-  
কের কাত ১৬/০ আঃ ২০ রায়ত হিঁত্বান

৯৮২ খাঁ ডিঃ ধূপেন্দ্রনাথ রায় দিন দেং সেরাজুদ্দিন  
সেখ দাবি ১৭/৬ থানা সমপেরগঞ্জ মৌজে চাঁদড় ১-৮  
শতকের কাত ১.০/৯ আঃ ৫ খঃ ২১

৯৮৩ খাঁ ডিঃ ঐ দেং ই, জি, হ্যারিস ক্লোর দিন  
দাবি ২২৮/৬ মৌজাদি এ ৩-২ শতকের কাত ৩।/০ আঃ  
৮ খঃ ২৪, ২৫, ২৬

৬৮১ খাঁ ডিঃ গোকুলচন্দ্র রায় দিন দেং উপেন্দ্রনারায়ণ  
দাস দিঃ দাবি ২০।৯ নেনা স্থতী মৌজে আশমপুর ৬৮  
শতকের কাত ২/০ আঃ ১০ খঃ ৭ রায়ত হিঁত্বান

৭২৫ খাঁ ডিঃ তারাপদ রায় দিঃ মহেন্দ্রনাথ রায় দিঃ  
দাবি ৩০।/৬ থানা রঘুনাথগঞ্জ মৌজে রামপুর ৫-৪৯  
শতকের কাত ১৪।/১। আঃ ১০ খঃ ২০৮

৯০৭ খাঁ ডিঃ নৌরেন্দ্রনাথ ভট্টাচার্য দিঃ দেং মন্থ  
কুমার মুখোপাধ্যায় দাবি ৪১৩ থানা রঘুনাথগঞ্জ মৌজে  
বাড়ালা ১০০ শতকের কাত ৬৫ আঃ ২৫ খঃ ৪৬  
রায়ত হিঁত্বান

১০ মনি ডিঃ হৈরেন্দ্রনাথ দাস দেং থাতির সেখ দিঃ  
দাবি ৩৮/০ থানা রঘুনাথগঞ্জ মৌজে গিরিয়া ১-১৮ শত-  
কের কাত ২৬৪ আঃ ২৫ খঃ ৩৩২ রায়ত হিঁত্বান

### চৌকী জঙ্গিপুর প্রথম মুন্সেফী আদালত

নৌলামের দিন ১২ই জানুয়ারী ১৯৪৩

১৯৪২ সালের ডিক্রীজারী

৯০১ খাঁ ডিঃ কুষ্ণচন্দ্র সাহা দিঃ দেং সেঃ জোতিভূষণ  
চৌধুরী দিঃ দাবি ১৯৯ থানা স্থতী মৌজে সেরপুর,  
ইচলিপাড়া ২-৬৫ শতকের কাত ১।/০ আঃ ১৫ খঃ  
৬৬৪

### চৌকী জঙ্গিপুর প্রথম মুন্সেফী আদালত

নৌলামের দিন ২৫শে জানুয়ারী ১৯৪৩

১৯৪০ সালের ডিক্রীজারী

৯২৯ খাঁ ডিঃ অধুরচন্দ্র মণ্ডল দেং নজরালি সেখ দিঃ  
দাবি ১৮।/৯ থানা রঘুনাথগঞ্জ মৌজে বহড়া ১০ শতকের  
কাত ১২।।। আঃ ৫ খঃ ৩০৪

৯১৩ খাঁ ডিঃ কুমার রামকিশোর সিংহ দিঃ দেং বক্ষি  
বিহারী সাহা নাবানক পক্ষে অলি মাতো সরসৌবালা বশ্বণ্যা  
দিন দাবি ৬৩/৯ থানা স্থতী মৌজে শিধুরী ২-৬৫ শত-  
কের কাত ১৬।/০ আঃ ২০ রায়ত হিঁত্বান

৯১৪ খাঁ ডিঃ নৌরেন্দ্রনাথ মুন্সেফী আদালত  
নৌলামের দিন ১৮ই জানুয়ারী ১৯৪৩

১৯৪২ সালের ডিক্রীজারী

৬৭৫ খাঁ ডিঃ মহারাজ বাহাদুর সিংহ দিঃ দেং সত্যেন্দ্রনাথ  
মুখোপাধ্যায় দাবি ১০৪৬।/৩ থানা সাগরদীঘি মৌজে  
তেলাঙ্গন ৪-১৫ শতকের কাত ১৮।।। আঃ ৮৫ খঃ ২৪৫  
রায়ত হিঁত্বান

৭১১ খাঁ ডিঃ এ দেং গৌরীশঙ্কর চট্টোপাধ্যায় দিঃ  
দাবি ৫৬৩ মৌজাদি এ ১-২৯ শতকের কাত ১৪।।। আঃ ৫০ খঃ ১৯০ রায়ত  
হিঁত্বান

১৪৮।/৬ আঃ ১৪৮।/৬

ପ୍ରେସନାରାୟଣ  
ମଣିପୁର ୬୮  
ତିବାନଦେଇ ରାଯ ଦିନ  
ମଣିପୁର ୫-୪୯ଦେଇ ଯଥ  
ମନ୍ତ୍ର ମୌଜେ  
ଥିଲେ ୫୪୬ମେଥ ଦିନ  
୧-୧୮ ଶତ-  
ତିବାନ

ଦାଲତ

୧୯୪୩

ଜ୍ୟାତିଭୂଷଣ  
ମେରପୁର,  
୧୫, ଥି

ଦାଲତ

୧୯୪୩

ମେଥ ଦିନ  
୦ ଶତକେର

ଦାଲତ

୧୯୪୩

ମନ୍ତ୍ରୋଦ୍ଧରାୟ  
ମୌଜେ  
୨୫, ଥି ୨୪୫

ଧ୍ୟାୟ ଦିନ

୧୪/୫/୫

୬୭୬ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ପରିବାନ ବିବି ଦାବି ୧୬୦/୬  
ଥାନା ଏ ମୌଜେ ଫୁଲବାଡ଼ୀ ୯୪ ଶତକେର କାତ ୩୦ ଆଃ ୧୦୦  
ଥି ୪୭ ଏ ସ୍ଵତ୍ତ୬୭୮ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଏସମାଇଲ ମେଥ ଦିନ ଦାବି ୧୮୦/୩  
ମୌଜାଦି ଏ ୧-୬୮ ଶତକେର କାତ ୧୩୧୩୬ ଆଃ ୧୦୦ ଥି  
୧୦୧ ଏ ସ୍ଵତ୍ତ୬୭୯ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଜଳଦବରଣୀ ଦେବୀ ଦାବି ୧୧୦/୩  
ଥାନା ଏ ମୌଜେ ବନ୍ଦେଶ୍ଵର ୧୩-୬୩ ଶତକେର କାତ ୨୦୦/୦ ଆଃ  
୧୦୦ ଥି ୧୧୦ ମୋକରାୟ ସ୍ଵତ୍ତ୬୮୨ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଜାଫର ମହାନ ମେଥ ଦିନ ଦାବି  
୧୯୪/୬ ଥାନା ଏ ମୌଜେ ହଲଦୀ ୧-୧୧ ଶତକେର କାତ ୨୦୦/୦  
ଆଃ ୧୫, ଥି ୧୬୬ ରାଯତ ହିତିବାନ୬୮୩ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ କୋବାଦ ମେଥ ଦାବି ୬୯୪/୩ ଥାନା  
ଏ ମୌଜେ ଜିନଦୀଘି ୨-୯ ଶତକେର କାତ ୧୦୦/୦ ଆଃ ୫୦୦  
ଥି ୧୦ ଏ ସ୍ଵତ୍ତ୬୮୮ ଥାଇ ଡିଃ ପ୍ରମଥନାଥ ମାହାତା ଦିନ ଦେଇ ଫାଇଜୁଲ୍‌ଲା  
ମେଥ ଦିନ ଦାବି ୧୧୫/୯ ଥାନା ସାଗରଦୀଘି ମୌଜେ ଜୁଗୋର ୩୩  
ଶତକେର କାତ ୧୫୦/୦ ନିଜାଂଶେ ୬/୦ ଆଃ ୯୯ ଥି ୨୮୦୬୯୧ ଥାଇ ଡିଃ କାମେଶ୍ଵରନାଥ ଲାଲା ଦେଇ ସବଜାନ ମଣ୍ଡଳ  
ଦିନ ଦାବି ୧୦୦/୬ ଥାନା ସାଗରଦୀଘି ମୌଜେ ଆଥୁରା ୫୦  
ଶତକେର କାତ ୧୫୦/୦ ଆଃ ୯୯ ଥି ୩୭୬୯୮ ଥାଇ ଡିଃ ମନୋହର ଦାସ ମହାନ ଦେଇ ହାମଜୁଦ୍‌ଦି ମେଥ  
ଦିନ ଦାବି ୧୬୦/୬ ଥାନା ସାଗରଦୀଘି ମୌଜେ ମୋଡ଼ଗ୍ରାମ ୭୫  
ଶତକେର କାତ ୨୦୦/୦ ଆଃ ୧୦୦ ଥି ୧୧୮୬୬୯୪ ଥାଇ ଡିଃ ରାଯ ଇନ୍ଦ୍ରନାରାୟଣ ଦିଃଇ ବାହାଦୁର ଦେଇ  
ଇନ୍ଦ୍ରନାରାୟଣ ମିଶି ଦାବି ୧୩୧ ଥାନା ସାଗରଦୀଘି ମୌଜେ  
ପୋପାଡ଼ା ୧୨ ଶତକେର କାତ ୧୦୨ ଆଃ ୧୦୦ ଥି ୧୫ ରାଯତ  
ହିତିବାନ୬୯୫ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଏ ଦାବି ୧୦୦/୦ ମୌଜାଦି ଏ  
୧-୧୦ ଶତକେର କାତ ୧୦୬/୬ ଆଃ ୧୦୦ ଥି ୧୦୧ ଏ ସ୍ଵତ୍ତ୭୧୨ ଥାଇ ଡିଃ ବିମଲସିଂହ କୁଠାରୀ ଦେଇ କେରାତୁଳା  
ମଣ୍ଡଳ ଦାବି ୧୦୬ ଥାନା ସାଗରଦୀଘି ମୌଜେ ଥାଙ୍ଗ୍ରାମ ୨-୨୩  
ଶତକେର କାତ ୧୨୧/୭ ଆଃ ୮୦ ଥି ୮୦୭୧୩ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଆଶ୍ରତୋଷ ଚକ୍ରବତୀ ଦାବି ୭୬/୬  
ମୌଜାଦି ଏ ୧୪ ଶତକେର କାତ ୬୧ ଆଃ ୯୯ ଥି ୩୭୭୧୪ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ହୁଚାରିଣୀ ଦାସୀ ଦିନ ଦାବି ୮୨୪/୬  
ମୌଜାଦି ଏ ୧-୩୦ ଶତକେର କାତ ୭୬୦/୪ ଆଃ ୧୦୦ ଥି  
୧୦୮୭୧୫ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ମିର ଫୁଯେଜ ଆଲି ଦିନ ଦାବି  
୧୩୮/୬ ଥାନା ଏ ମୌଜେ କ୍ରମୀଗ୍ରାମ ୨-୧୧ ଶତକେର କାତ  
୧୪୫/୬ ଆଃ ୧୦୦ ଥି ୮୧୭୧୬ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ରହିମବଜ୍ଜ ମେଥ ଦିନ  
ଦାବି ୧୧୦ ମୌଜାଦି ଏ ୧-୧୧ ଶତକେର କାତ  
୬୮/୩ ଆଃ ୯୯ ଥି ୩୪୨୭୨୨ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ମହେନ୍ଦ୍ରନାଥ ରାଯ ଦିନ  
ଦାବି ୧/୩ ଥାନା ଏ ମୌଜେ ରତ୍ନପୁର ୨୧  
ଶତକେର କାତ ୧/୯ ଆଃ ୯୯ ଥି ୨୦୧୭୨୩ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଏ ଦାବି ୮୦/୩  
ମୌଜାଦି ଏ ୧୪ ଶତକେର କାତ ୧/୯ ଆଃ ୯୯  
ଥି ୨୦୦୭୨୪ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଏ ଦାବି ୩୩/୩  
ମୌଜାଦି ଏ ୧-୧୬ ଶତକେର କାତ ୧/୧୧ ଆଃ  
୨୯୯ ଥି ୧୯୫୭୨୬ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଏ ଦାବି ୩୬/୦  
ମୌଜାଦି ଏ ୧-୧୬ ଶତକେର କାତ ୪୬୨ ଆଃ  
୪୦ ଥି ୧୯୬୭୨୭ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଏ ଦାବି ୧୮/୦  
ମୌଜାଦି ଏ ୪୧ ଶତକେର କାତ ୨୦/୦ ଆଃ ୧୦୦  
ଥି ୧୯୮ ମୋକରାୟ୭୨୬ ଥାଇ ଡିଃ ବର୍ଜନାଥ ରାଯ କମନ ମ୍ୟାନେ  
ଜାର ଦେଇ ଷୋଗେଶ୍ଚନ୍ଦ୍ର ମୁଖୋପାଧ୍ୟା ଦାବି  
୬୪୫/୩ ଥାନା ସାଗରଦୀଘି ମୌଜେ ଭୂମିହର ୨-୭୫  
ଶତକେର କାତ ୧୧୦/୬ ଆଃ ୨୯୯ ଥି ୨୦୭୭୨୭ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ରମରାଜ ଚଟ୍ଟୋ-  
ପାଧ୍ୟା ଦିନ ଦାବି ୨୭୬/୬ ଥାନା ଏ ମୌଜେ  
ଥାରିଓର ୮୮ ଶତକେର କାତ ୪୦/୦ ଆଃ ୧୦୦  
ଥି ୩୦୨୭୨୧ ଥାଇ ଡିଃ ରାଖିଲଦାସ ଦେ ଦେଇ ସରୋ-  
ଜିନୀ ଦେବ୍ୟା ଦାବି ୧୧/୯ ଥାନା ସାଗରଦୀଘି  
ମୌଜେ ଚଣ୍ଡୀଗ୍ରାମ ରଘୁନାଥପୁର ୪୬ ଶତକେର  
କାତ ୧୨୧ ଆଃ ୨୯୯ ଥି ୧୨୬ | ୧୫୬ ଅଧିନିଷ୍ଠ  
ଥି ୧୦୪୪ | ୧୦୭୬୭୨୮ ଥାଇ ଡିଃ ହାଜି ମେଥ ଆବଦୁଲ ଆଜିଜ  
ଦିନ ଦେ ମୁତ ଭେଶ୍ଚନ୍ଦ୍ର ମଣ୍ଡଲେର ଏଷ୍ଟେଟ୍ର ଏକଜିକିଟ୍ଟର ମୁଶ୍କେଚନ୍ଦ୍ର ମରକାର ଦିନ ଦାବି  
୨୦୮/୧ ଥାନା ସାଗରଦୀଘି ମୌଜେ ଦୋହାଲ  
ଡାଙ୍ଗାପାଡ଼ା ୧୫-୧୮ ଶତକେର କାତ ୬୫୦/୦ ଆଃ ୧୦୦  
ଥି ୧୫୮ ଅଧିନିଷ୍ଠ ଥି ୧୪୮ ହଇତେ  
୧୧୬ ମୋକରାୟ ସ୍ଵତ୍ତ୭୨୯ ଥାଇ ଡିଃ ରାଜା ଭୃପେନ୍ଦ୍ରନାରାୟଣ ମିଶି  
ବାହାଦୁର ଦେ ମେସଲେମ ମେଥ ଦାବି ୧୧/୦୭୩୬ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ରହିମପୁର ୪୮ ଶତ-  
କେର କାତ ୨୧/୬ ଆଃ ୧୦୦ ଥି ୪୬୩ ରାଯତ  
ହିତିବାନ୭୩୦ ଥାଇ ଡିଃ ଏ ଦେଇ ଗୋକୁଲଚନ୍ଦ୍ର ମଣ୍ଡଳ  
ଦାବି ୧୪୩/୯ ଥାନା ଏ ମୌଜେ ଜାମାଲମାଟୀ  
୫-୫୧ ଶତକେର କାତ ୨୫୧/୦ ଆଃ ୧୦୦ ଥି  
୨୨ ଏ ସ୍ଵତ୍ତ୭୩୧ ଥାଇ ଡିଃ ନୀଲୁପନ ବାରିକ ଦେ ଲଞ୍ଛୀ  
ବାଲା ଦାସୀ ଦିନ ଦାବି ୩୩୫/୯ ଥାନା ସାଗରଦୀଘି  
ମୌଜେ ହକାରହାଟ ୫-୯୬ ଶତକେର କାତ  
୧୨୧/୬ ଆଃ

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19

যে সব ডা ক্তা র রা  
সুরবলী ব্যবহা করে  
দেখে ছন তাঁরা সবাই একত্ব  
একপ উৎকৃষ্ট ব্রহ্মপরিষারক উপদাশ  
নাশক ও "টিনিক" ঔষধ খুব  
কমই আছে।  
সর্বপ্রকার চর্মরোগ, ঘা, স্ফোটিক,  
নালি, রক্তচূষ্টি প্রভৃতি নিরাময়  
করিতে ইহার শক্তি অতুলনীয়।  
ইহা যকুতের ক্রিয়া নিয়ন্ত্রণ করিবা  
অগ্নি, বল ও বর্ণের উৎকর্ষ সাধন করে।  
গত ৬০ বৎসর ধাৰণ ইহা সহস্র  
সহস্র রোগীকে নিরাময় করিয়াছে।

**সি. ক. মেন পত্রকোংলি:**  
জৰাবৰ্ষ হাউস, কলিকাতা

মহা সময় !  
এটি দুদিনে দেশের অর্থ দেশে থাকুন। এবং দেশের সহস্র সহস্র নরনারীর অন্ম-সংস্থানের  
সহায়তা করুন। ভারতে উৎপন্ন তামাকে হাতে তৈয়ারী ভারত বিধ্যাত

যাহা মোহিনী বিড়ি, মোহিনী ২৪৭ বা ২৪৭ নং  
বিড়ি বলিয়া পরিচিত, মেবন করুন। ধূমপানে পূর্ণ  
আমোদ পাইবেন। আমাদের প্রস্তুত বিড়ি, বিশুদ্ধ-  
তার গ্যারান্টি দিয়া বিক্রয় করা হয়। পাইকারী দরের জন্য লখুন। একমাত্র প্রস্তুত কারুক  
ও প্রাধিকারী :— মুলভা দিক্ষা এণ্ড কোং

হেড অফিস—৫০, এন্ডৱা স্ট্রিট, কলিকাতা।

### মোহিনী বিড়ি

শাখাসমূহ :— ১৬০ নং নবাবপুর রোড, ঢাকা,  
সুরায়গঞ্জ, মঙ্গলপুর বি-এন-ডব্লিউ-আর।  
ফ্যাট্রৌ—মোহিনী বিড়ি প্রযোক্তা,  
গোপ্তা (সি. পি) বি-এন-আর।  
আমাদের নিকট বিড়ি প্রস্তুতের বিশুদ্ধ তামাক ও পাতা  
খুচরা ও পাইকারী হিসাবে পাওয়া যায়।  
দরের জন্য পত্র লিখুন।

### সাধনা ঔষধালয়, ঢাকা

বিশুদ্ধতার সর্বশ্রেষ্ঠ আয়ুর্বেদীয় প্রতিষ্ঠান

ত্রাঙ্গ ও  
এজেন্সি



প্রথিবীর  
সর্বত্র

অধ্যক্ষ—শ্রীযোগেশচন্দ্ৰ ঘোষ, আয়ুর্বেদশাস্ত্ৰী

এম-এ, এফ-সি-এস (লণ্ডন), এম-এস-সি (আমেরিকা)  
ভাগলপুর কলেজের রসায়নশাস্ত্রের ভূতপূর্ব অধ্যাপক (প্রফেসর)

মকরধবজ (বিশুদ্ধ ও স্বর্ণঘটিত) তোলা ৪-

নিত্য প্রয়োজনীয় সর্বরোগনাশক মহীষধ।

বিশুদ্ধ চ্যবনপ্রাণ—মের ৩ টাকা।

সর্বপ্রকার দুর্বলতানাশক অতিশয় পুষ্টির মহীষধ বা খাত্তবিশেষ।

শুক্রসংজ্ঞীবন—মের ১৬ টাকা।

ইহা সেবনে ধাতুদৌৰ্বল্য, রক্তহীনতা, স্বপ্নদোষ, প্রয়েহ ও  
ধৰ্মভঙ্গ সম্পূর্ণরূপে সারিয়া যায়। অপরিসীম আনন্দদায়ক  
রসায়ন।

অবলোবান্ধব যোগ

প্রদৰ, বাধক প্রভৃতি জরায়ুদোষ ও ঘাবতীয় রস ও স্ত্রীরোগের  
মহীষধ। ১৬ মাত্রা ২ টাকা, ৫০ মাত্রা ৫ টাকা।

### সুসংবাদ !

জটিল চুৱারোগ্য ও পুৰাতন পীড়াৰ চিকিৎসাৰ জন্য সুপ্রসিদ্ধ  
অভিজ্ঞ চিকিৎসক ডাঃ শ্রীসুব্রজনাথ দাস, এম-বি, হোমিও মহা-  
শ্বরের সহিত পৰামৰ্শ কৰুন। তিনি এয়াবৎ বহু সংখ্যক জটিল  
ও পুৰাতন রোগীৰ সাফল্যেৰ সহিত চিকিৎসা কৰিয়া আসিতে-  
ছেন। ডাকযোগেও চিকিৎসা কৰা হয়। কলিকাতাৰ দৱে  
ঘাবতীয় সৱজামসহ হোমিওপাথিক ঔষধ বিক্ৰয় হয়।

বিনামূল্যে পশ্চ চিকিৎসা কৰা হয়।

ডাঃ স্বৰ্গীয় সীতানাথ দাসেৰ পুত্ৰ  
গৱৰ্ণমেন্ট হাস্পাতালে রেজিষ্ট্ৰেট ও লাইসেন্সপ্ৰাপ্ত

ডাঃ শ্রীসুব্রজনাথ দাস, এম-বি, হোমিও  
“সৰ্বশুদ্ধলা ঔষধালয়” পোঃ বাঙালী, বৈৰভূম।